जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 85 प्रभात जालोर, बुधवार 2 जुलाई, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप एक समय के घनिष्ठ मित्र एलन मस्क को साउथ अफ्रीका "डिपोर्ट" करने पर आमादा

ट्रंप एलन मस्क से तब से बेहद खफा हैं, जब से मस्क ने अमेरिकी सरकार के, अरबों डॉलर खर्च करने व बाज़ार से बतौर ऋण कई ट्रिलियन डॉलर उधार लेने के प्रयास को बेवकूफी भरा कदम बताना शुरु किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- मस्क की इस आलोचना का बदला लेने के लिए ट्रंप ने अमेरिका में इलैक्ट्रिक कार पर मिल रही सब्सिडी को कम करने का मन भी बनाया है।
- ट्रंप का आरोप है कि इस सब्सिडी का अधिकांश पैसा मस्क की कम्पनी को मिल रहा था और अब यह सब्सिडी बंद होने से मस्क को अपनी दुकान बंद करनी पड़ेगी और घर का रास्ता देखना पड़ेगा। ट्रंप ने कटाक्ष भी किया, अब मस्क अपने "स्पेसशिप" अंतरिक्ष में भेजने का शौक पूरा नहीं कर पायेंगे।
- मस्क को ट्रंप के महत्वाकांक्षी विधेयक की आलोचना करना भारी पड़ सकता है।

नई दिल्ली, 1 जुलाई। डॉनल्ड ट्रंप कोई संत नहीं हैं और न ही क्षमाशील। अब वे एलन मस्क से बदला लेना चाहते हैं।

ट्रंप एलन मस्क को अमेरिका से निकालकर दक्षिण अफ्रीका भेजने की धमकी दे रहे हैं, जहाँ मस्क का जन्म हुआ था और जहाँ उनके पिता अभी भी रहते हैं। इससे ट्रंप की मस्क के खिलाफ प्रतिशोध की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, क्योंकि मस्क ने ट्रंप की भव्य योजनाओं का सार्वजनिक रूप से विरोध किया था।

यह टकराव ट्रंप के "बिग एण्ड ब्यूटीफुल बिल" को लेकर है, जिसमें अरबों डॉलर खर्च करने और अमेरिकी संघीय सरकार को अधिक कर्ज लेने की शक्ति देने का प्रस्ताव है। मस्क इस बिल की कड़ी आलोचना कर रहे हैं, जो फिलहाल अमेरिकी सीनेट में पास हो रहा है।

यह बिल टैक्स कटौती का प्रस्ताव करता है और संघीय सरकार को कर्ज लेने के अधिकार देता है, जिससे संघीय कर्ज में 3.3 ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है। एलन मस्क ने इस बिल को 'पूरी तरह पागलपन' बताया है और एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की धमकी भी दी है।

चूंकि मस्क लगातार इस बिल की आलोचना कर रहे हैं, जो ट्रंप के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, ट्रंप ने अब मस्क पर "डीओजीई" (डिपार्टमैंट ऑफ गवरमैंट एफिशिएंसी) छोड़ने की धमकी दी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि डीओजीई एक राक्षस है जो मस्क को खा सकता है। यानी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी, जिसे ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण के बाद मस्क को सौंपा था, ने सरकारी कामकाज में भारी खलबली मचा दी थी।

डीओजीई के प्रमुख के रूप में मस्क ने कई संघीय विभागों को बंद करने का आदेश दिया था, जिससे विदेशी क्षेत्रों में संघीय कर्मचारियों की छंटनी हुई। इस विभाग सीक्रेट सर्विस और खुफिया एजेंसियों तक का मूल्यांकन किया, जिन्हें मस्क ने "डीप स्टेट" कहा था।

प्राइवेट अरबपति मस्क जिस तानाशाही रवैये से विभाग चला रहे थे उससे कई लोग नाराज़ हो गए थे और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अलवर के सांसद भूपेन्द्र यादव होंगे, नए भाजपा अध्यक्ष?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री तथा अलवर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भूपेन्द्र यादव भारतीय जनता पार्टी के अगले अध्यक्ष होंगे।

छप्पन वर्षीय यादव जगत प्रकाश

- चर्चा है कि वे नड्डा की जगह लेंगे, जो 2020 से ही पार्टी के अध्यक्ष है।

नड्डा (64) का स्थान ग्रहण करेंगे। हिमाचल प्रदेश निवासी केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा 2020 से पार्टी के अध्यक्ष हैं। यादव केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निकटस्थ बताये जाते हैं।

रेल मंत्री ने किया "रेल वन" ऐप का शुभारंभ

नयी दिल्ली, 01 जून। रेलवे ने यात्री सुविधाओं में एक और सुधार करते हुए रेलवन एप शुरु किया है जिसके जरिए यात्रियों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को यहां रेल सूचना प्रणाली केंद्र के 40वें स्थापना दिवस पर रेलवन एप का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस एप के माध्यम से रेल यात्री संपर्क को बेहतर बनाया जा सकेगा।

रेलवे का यह एप उपयोगकर्ता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने प्र.मंत्री मोदी की आठ दिवसीय विदेश यात्रा पर कटाक्ष किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- कांग्रेस के कटाक्ष के अनुसार, "फ्रीक्वेंट फ्लायर" प्रधानमंत्री, देश में उनके सम्मुख प्रस्तुत चार भारी मुद्दों को संबोधित करने से बचकर आठ दिवसीय विदेश यात्रा पर निकले हैं।

नई दिल्ली, 1, जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी विदेश यात्रा को लेकर कांग्रेस ने उन पर तीखा हमला करते हुए उन्हें "फ्रीक्वेंट फ्लायर पीएम" करार दिया और उनकी 5 देशों की विदेश यात्रा को देश के गंभीर मुद्दों से "राजनीतिक पलायन" बताया। पार्टी ने मणिपुर संकट और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा किए गए विवादास्पद दावों को लेकर मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए।

कांग्रेस के संचार प्रमुख और महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर महत्वपूर्ण मसलों से कतराने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री 8 दिन की विदेश यात्रा के जरिए इन मुद्दों से बचकर भाग रहे हैं। रमेश ने "एक्स" पर लिखा, "जब हालात सख्त होते हैं, तो खुद को सख्त कहने वाले भाग जाते हैं।" "सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर" प्रधानमंत्री 5 देशों की 8 दिन की यात्रा पर निकल चुके हैं।"

प्रधानमंत्री मोदी पर यह आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, अभी ऐसे चार मुद्दे हैं जो देश को झकझोर रहे हैं और प्रधानमंत्री इनसे कतरा रहे हैं। मणिपुर जहाँ डबल इंजन सरकार है और जब से वह सरकार आई है, मणिपुर में हालात बदतर हैं, पर मोदी एक बार भी मणिपुर नहीं गए।

कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि रक्षा अधिकारियों द्वारा हाल ही में किए गए खुलासों के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर' के पहले दो दिन भारत को जो झटका लगा, वह प्रधानमंत्री के फैसलों का नतीजा था और राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा किया जा रहा है कि उन्होंने व्यापार सौदे की बात कर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया, लेकिन इसके बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी इस पर अब तक चुप्पी साधे हुये हैं।

रमेश ने कहा कि 70 दिन बीतने के बाद भी, पहलगाम के आंतकी न्याय के कटघरे में नहीं लाये जा सके, यह असफलता हैरान करती है, क्योंकि हो सकता है, वे दिसंबर 2023 में पुंछ और अक्टूबर 2024 में गगनगीर व गुलमर्ग में हुए आतंकी हमलों में शामिल रहे हों।

उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई रणनीतिक विफलताओं की जिम्मेदारी सीधे प्रधानमंत्री के फैसलों पर जाती है। रमेश की यह टिप्पणी संभवतः इंडोनेशिया में भारत के रक्षा अटैची के उन कथित बयानों की ओर इशारा कर रही थी, जिन पर बाद में इंडोनेशिया के भारतीय दूतावास ने सफाई देते हुए कहा कि भारत के रक्षा अटैची के बयानों को "संदर्भ से बाहर" उद्धृत किया गया था और मीडिया रिपोर्टों ने उनके बयान की मंशा को गलत तरीके से पेश किया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई को घाना से अपनी यात्रा की शुरुआत करेंगे, इसके बाद वे त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील, और अंत में, नामीबिया का दौरा करेंगे। ब्राजील में वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर राज्य में भ्रमण भी करेंगे।

यूक्रेन के खिलाफ रूस ने निर्णायक जंग शुरु की

रूस ने 260 मिसाइलों व 477 ड्रोन्स से भारी हमला किया

- रूस ने दबाव बनाने के लिए सूमी इलाके में 50,000 से ज्यादा सैनिक तैनात किए हैं।
- ज्ञातव्य है कि सूमी से ही यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला किया था और बड़ा क्षेत्र हथिया लिया था।
- यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी सेना ने 249 ड्रोन्स व 286 मिसाइलें नष्ट की हैं, पर यह भी माना कि रूस के हमले में उसके दस लोग मारे गए हैं।

कीव/मॉस्को, 01 जून। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग लगातार तेज होती जा रही है। हाल ही में यूक्रेन पर रूस ने अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। बताया जा रहा है कि 260 मिसाइलें और 477 ड्रोन्स रूस की ओर से दागे गए हैं।

यूक्रेन ने दावा किया है कि उसकी वायुसेना ने 249 ड्रोन्स और 226 मिसाइलों को तबाह कर दिया। हमले में 10 लोगों के मारे जाने की बात यूक्रेन ने कबूल की है।

रूस लगातार दबाव बनाने के लिए सुमी इलाके पर चढ़ाई कर रहा है। रूस ने इस इलाके में 50 हजार से ज्यादा जवान उतार रखे हैं। सुमी से ही अगस्त 2024 में यूक्रेन ने कुर्स्क इलाके पर हमला किया था। माना जा रहा है कि इस इलाके का बड़ा हिस्सा अब भी यूक्रेन के कब्जे में है।

इस इलाके में दोनों ही सेनाओं ने अपने बेहतर सैनिक उतार रखे हैं। यूक्रेन ने रूस को रोकने का दावा किया है, जबकि रूस ने इससे इनकार किया है। दोनों सेनाओं में यबलुनिवका, जूनाकिवका, ओलेक्सिएवका, नोवोमिकोलेवका और किंडरातिवका बॉर्डर पर भीषण जंग चल रही है। यूक्रेन ने पलटवार का दावा किया है।

यूक्रेन के शीर्ष कमांडर जनरल ओलेक्जांडर सिरस्की ने दावा किया है कि रूस की रणनीति को वे अच्छे ढंग से समझते हैं। रूस उनकी सेना को थकाना चाहता है। रूस की सेना को उन्होंने रोक दिया है। जीयूआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल किरिलो बुदानोव ने कहा कि रूस ने अपने बेहतरीन कमांडोज को इलाके में उतार रखा है। रूस यूक्रेन के अंदर घुसकर बफर जोन बनाना चाह रहा है।

ऑपरेशन में शामिल रूस की 40वीं नौसैनिक ब्रिगेड, 104वीं एयरबोर्न डिवीजन, 155वीं मरीन ब्रिगेड और 83वीं एयरबोर्न ब्रिगेड को यूक्रेन के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कुछ इलाकों में रूसी सेना ने बढ़त बना रखी है, लेकिन माना जा रहा है कि वह सामरिक दृष्टि से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। यूक्रेनी सेना को इलाके में ज्यादा फौजी तैनात करने पड़ रहे हैं, जिससे उसका खर्च काफी बढ़ चुका है।

22 राज्यों में भाजपा के संगठन चुनाव सम्पन्न

नई दिल्ली, 01 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को छह और राज्यों में अपने प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव कर लिया है। पार्टी ने पिछले साल शुरू हुए आंतरिक चुनावों के तहत, अब तक 22 राज्यों में संगठनात्मक प्रमुखों की नियुक्ति पूरी कर ली है। यह प्रक्रिया पार्टी के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण औपचारिकता को पूरा करती है।

महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश,

- अब राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव कराने की आवश्यक शर्त पूरी हो गई है। पार्टी संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 37 राज्यों में से कम से कम 19 में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना जरुरी है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में क्रमशः रविंद्र चव्हाण, एन रामचंदर राव, पी वी एन माधव, राजीव बिंदल और महेंद्र भट्ट को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। इन नेताओं को लंबे समय से संगठन में सक्रिय, सामाजिक समीकरणों के लिहाज से उपयुक्त माना जाता है। अनिल तिवारी को अंडमान और निकोबार में निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुना गया।

कुछ अन्य राज्यों, जैसे मध्य प्रदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 6 मरे, 5 घायल

चेन्नई, 01 जुलाई। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले के चिन्नाकमनपट्टी में पटाखा निर्माण फैक्ट्री में मंगलवार को भीषण विस्फोट से एक महिला सहित, छह लोगों की जलकर मौत हो गयी और अन्य पांच गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मृतकों के नाम आर महालिंगम (55), सी सेलापांडियन, लक्ष्मी करुपसामी, आर राममूर्ति (38), के रामजयम (27) और जी वैरामणि (32) हैं। घायलों में एक महिला भी शामिल हैं, जिन्हें शिवकाशी सरकारी अस्पताल और मदुरै

- मरने वाले 6 लोगों में एक महिला भी शामिल है। विस्फोट से चार कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

राजाजी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह उस समय हुई, जब पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से कंक्रीट की छत वाले चार कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और आसपास का इलाका धुएं से भर गया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं बचाव सेवा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू किया। बचाव दलों ने शवों और मलबे में फंसे घायलों को बाहर निकाला।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाँसवाड़ा के बस स्टैंड पर तलवार से हमले में शिक्षिका की मौत

मृतका के भाई के अनुसार, हमलावर पहले भी उसकी बहन पर हमला कर चुका है व ब्लैकमेल करना चाहता था

- जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल के अनुसार, शिक्षिका लीला ताबियार बस स्टैंड पर बस का इंतज़ार कर रही थी। उसका पूर्व प्रेमी महिपाल भगोरा वाहन से वहाँ पहुँचा और तलवार से लीला के पेट पर वार करके भाग निकला।

बांसवाड़ा, 1 जुलाई (निसं)। कलिंजरा बस स्टैंड पर बस के इंतजार में बैठी एक शिक्षिका पर एक युवक ने तलवार से वार कर दिया। बाद में शिक्षिका की मौत हो गयी। बताया जाता है कि लीला ताबियार नामक शिक्षिका बस के इंतजार में बैठी हुई थी। लगभग साढे दस से ग्यारह बजे के बीच एक चौपहिया वाहन पर एक युवक आया और तलवार से लीला के पेट पर वार कर दिया। बाद में हमलावर गाड़ी लेकर निकल गया। इधर, बस स्टैंड पर मौजूद लोग भी दहशत में आ गये और भागते हुए नजर आये। आगे जाकर हमलावर का वाहन एक अन्य वाहन से टकरा गया तो वह वाहन छोड़कर भाग निकला।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि लीला ताबियार सुबह लगभग साढ़े दस से ग्यारह बजे के बीच बस स्टैंड पर बस के इंतजार में बैठी थी। तभी उसका पूर्व प्रेमी महिपाल भगोरा आया और उसने तलवार से लीला के पेट पर वार कर दिया और वाहन लेकर भाग निकला। उन्होंने बताया कि भगोरा की गिरफ्तारी के लिये टीमें गठित कर दी गयी हैं। इस मामले में मृतका के भाई सरवन ने बताया कि पूर्व में भी दिनदहाड़े महिपाल उसकी बहन पर हमला कर चुका है और वह उसे ब्लैकमेल करना चाहता था। उसने बताया कि लीला ने हत्या की आशंका से विधायक को भी एक दिन पूर्व ही अवगत कराया था। साथ ही, उसने अपने भाई को भी महीपाल से अनहोनी की आशंका व्यक्त की थी। सरवन ने बताया कि पूर्व में भी महिपाल की गिरफ्तारी हो चुकी थी और जेल से निकलने के बाद उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

घटना के बाद 108 को फोन किया गया, लेकिन एम्बुलेंस बागीदौरा में होने से पहुंच नहीं पायी। स्थानीय लोगों ने बताया कि चिकित्सालय में 104 खड़ी थी, लेकिन सूचना देने के बावजूद, वह नहीं आयी। लगभग बीस मिनट बाद लीला को पुलिस ऑटो में रखकर चिकित्सालय ले गयी, लेकिन लीला ने इस दौरान दम तोड़ दिया।

इधर लोगों का कहना है कि शिक्षा विभाग आत्मरक्षा के गुर के नाम पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित करता है ऐसे में यदि यह शिक्षिका भी प्रशिक्षित होती तो संभवतः उसे जान से हाथ नहीं धोना पड़ता। इधर लोग चर्चा करते नजर आये कि समाज में अग्निवीरों की जरूरत है।

इस घटना को कई लोगों ने अपने मोबाइल में भी कैद किया, जिसमें साफ दिखाई पड़ रहा है कि आरोपी वाहन से तलवार लेकर उतर रहा है और उसके बाद, तलवार मारकर वाहन से ही निकलता हुआ नजर आ रहा है।

'वन बिग ब्यूटिफुल बिल आया तो अमेरिका पार्टी का गठन होगा'

वॉशिंगटन, 01 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख कानून पर तीखा हमला करते हुए अरबपति एलन मस्क ने एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन का आ ान किया है।

मस्क ने बताया कि पागलपन भरे विधेयक में रिकॉर्ड पांच लाख करोड़ डॉलर की ऋण सीमा वृद्धि से आम अमेरिकियों को बहुत नुकसान होगा।

मस्क सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, इस विधेयक के पागलपन भरे खर्च से यह स्पष्ट है जो ऋण सीमा को रिकॉर्ड पाँच ट्रिलियन डॉलर (पांच

- एलन मस्क ने कहा, यह बिल पागलपन भरे खर्च को प्रोत्साहित करता है, जो अमेरिका के हित में नहीं है।

लाख करोड़ डालर) तक बढ़ाता है कि हम एक पार्टी वाले देश में रहते हैं, पोर्क पिग पार्टी! एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है जो वास्तव में लोगों की परवाह करती है।

मस्क ने एक्स पर पोस्ट किया, जो कोई भी खर्च कम करने के वादे पर अभियान चलाता है, लेकिन इतिहास में सबसे बड़ी ऋण सीमा वृद्धि पर वोट करना जारी रखता है, उसका चेहरा अगले साल प्राथमिक चुनाव में इस पोस्टर पर दिखाई देगा और आगे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एसआई भर्ती 2021 फिलहाल निरस्त नहीं होगी'

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में जवाब पेश करते हुए कहा

- राज्य सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाई कोर्ट ने मामले के अंतिम निस्तारण के लिए 7 जुलाई की तारीख दी है।
- राज्य सरकार की ओर से कहा गया है, जाँच में काफी कम अभ्यर्थी दोषी पाए गए हैं, राज्य सरकार दोषी अभ्यर्थियों को अलग करने के पक्ष में है, उन्हें गिरफ्तार कर उनकी सेवाएँ समाप्त की जाएंगी तथा आगे की भर्ती के लिए भी अयोग्य करार दिया जाएगा।
- सफल अभ्यर्थियों के वकील, आर.एन. माथुर ने कहा कि राज्य सरकार के निर्णय के बाद भर्ती रद्द करने की माँग करने वाली याचिका सारहीन हो गई है, इसे खारिज किया जाए।

जयपुर, 1 जुलाई। राज्य सरकार ने एसआई भर्ती 2021 को फिलहाल निरस्त नहीं करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाईकोर्ट ने मामले के अंतिम निस्तारण के लिए 7 जुलाई का दिन तय किया है। जस्टिस समीर जैन ने ये आदेश कैलाश चंद शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश हुए। उनकी ओर से कैबिनेट सब कमेटी की रिपोर्ट पेश कर कहा गया कि फिलहाल भर्ती को निरस्त नहीं किया जा सकता। अभी तक की जांच में काफी कम अभ्यर्थी दोषी पाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 313 अभ्यर्थी पहली बार किसी सरकारी सेवा में चयनित हुए हैं। इनमें से सिर्फ 35 अभ्यर्थी ही दोषी पाए गए हैं। वहीं, यदि कुल पदों की बात की जाए तो कुल 838 अभ्यर्थियों में से केवल 53 अभ्यर्थी की दोषी पाए गए हैं और 785 अभ्यर्थियों के खिलाफ कोई प्रमाण नहीं मिला है। ऐसे में दोषी अभ्यर्थियों को अलग किया जा सकता है।

महाधिवक्ता ने बताया कि छह मंत्रियों की सब कमेटी ने एसआईटी जांच को आगे बढ़ाने और समस्त दोषियों को गिरफ्तार करने, दोषी अभ्यर्थियों की सेवाएं समाप्त कर उन्हें आगामी भर्तियों के लिए अयोग्य घोषित करने और पर्याप्त पदों पर नई भर्ती कर, उसमें आयु सीमा में छूट देने के साथ ही इस स्तर पर एसआई भर्ती को निरस्त नहीं करने की सिफारिश की है। कमेटी की इस रिपोर्ट को मुख्यमंत्री स्तर पर भी अप्रूव्ड किया जा चुका है।

महाधिवक्ता ने यह भी बताया कि सांख्यिकी विभाग की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व की भर्तियों की तुलना में इस भर्ती में किसी क्षेत्र विशेष से अधिक अभ्यर्थियों का चयन भी नहीं हुआ है। मामले में जांच सही दिशा में चल रही है। इसलिए अभी भर्ती को रद्द करना जल्दबाजी होगी। दूसरी ओर, सफल अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट आरएन माथुर ने कहा कि कैबिनेट सब कमेटी के निर्णय के बाद अब भर्ती रद्द करने की मांग करने वाली याचिका सारहीन हो गई हैं। इसलिए इस याचिका को खारिज किया जाए और याचिकाकर्ता चाहें तो सब कमेटी के इस निर्णय को चुनौती देने के लिए अलग से याचिका दायर कर सकते हैं। वहीं, याचिकाकर्ता के सीनियर एडवोकेट आरपी सिंह ने कहा कि सरकार प्रकरण को किसी भी तरह से टालना चाहती है। अदालत ने सभी पक्षों की बहस सुनकर मामले के अंतिम निस्तारण के लिए 7 जुलाई को सुनवाई तय की है।

'भगदड़ में 11 लोगों की मौत के लिए आरसीबी जिम्मेदार'

बंगलूरू, 01 जुलाई। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) ने मंगलवार को कहा कि 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़

- केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने कहा, रॉयल चैलेन्जर्स बैंगलूरु के सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से चिन्ना स्वामी स्टेडियम पर भारी भीड़ जमा हो गई जिससे भगदड़ हुई, यही नहीं, आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति भी नहीं ली थी।

के लिए प्रारंभिक तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जिम्मेदार है। बता दें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)